ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

"अब घर जाना है" इस स्मृति से मैं अपने अनादि स्वरूप, अनादि स्थिति में स्थित होने वाली कर्मेन्द्रीयजीत आत्मा हूँ

जो बच्चे संगमयुग पर प्रभू फल, अविनाशी फल, सर्व सम्बन्धों के स्नेह के रस वाला फल खाते हैं वे सदा ही माया के रोग से मुक्त रहते हैं।

Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

बापदादा देख रहे थे - जलाने की होली किन्हों ने मनाई जब बीज को जलाया जाता है तो जला हुबा बीज कभी फल नहीं देता। वायदे तो सभी ने किये कि बीती को बीती कर जो अब तक हुआ, चाहे अपने प्रति, चाहे औरों के प्रति - सर्व को समाप्त कर परिवर्तन करेंगे। सभी ने अभी - अभी वायदे किये हैं ना। रूह - रूहान में सभी वायदे करते हैं ना। हर एक का रिकार्ड बापदादा के पास है। बहुत अच्छे रूप से वायदे करते हैं। कोई गीतकविता द्वारा, कोई चित्रों द्वारा।

बापदादा देख रहे थे जितना चाहते हैं, उतना परिवर्तन क्यों नहीं होता? कारण क्या है, क्यों नहीं सदा के लिए समाप्त हो जाता है, तो क्या देखा? अपने प्रति वा दूसरों के प्रति संकल्प करते हो कि यह कमज़ोरी फिर आने नहीं देगें वा दूसरे के प्रति सोचते हो कि जो भी किसी आत्मा के प्रति संस्कार के कारण वा हिसाब - किताब चुक्तू होने के कारण जो भी संकल्प में वा बोल में वा कर्म में संस्कार टकराते हैं, उनका परिवर्तन करेंगे। लेकिन समय पर फिर से क्यों रिपीट होता है? उसका कारण? सोचते हो कि आगे से इस आत्मा के इस संस्कार को जानते हुए स्वयं को सेफ रख उस आत्मा को भी शुभ भावना - शुभ कामना देंगे लेकिन जैसे दूसरे की कमज़ोरी देखने, सुनने वा ग्रहण करने की आदत नैचरल और बहुतकाल की हो गई है, उसके बदले नहीं रखेंगे - यह तो बहुत अच्छा, लेकिन उसके स्थान पर क्या देखेंगे, क्या उस आत्मा से ग्रहण करेंगे - वह बारबार अटेन्शन में नहीं रखते। यह नहीं करना है - यह याद रहता है लेकिन ऐसी आत्माओं के प्रति क्या करना है, सोचना है, देखना - वह बातें नैचरल अटेन्शन में नहीं रहती। जैसे कोई स्थान खाली रहता, उसको अच्छे रूप से यूज नहीं करते तो खाली स्थान में फिर भी किचड़ा या मच्छर आदि स्वत: ही पैदा हो जाते। क्योंकि वायुमण्डल में मिट्टी - धूल, मच्छर है ही; तो वह फिर से थोड़ा - थोड़ा करके बढ़ जाता है। जगह भरनी चाहिए। जब भी आत्माओं के सम्पर्क में आते हो, पहले नैचरल परिवर्तन किया हुआ श्रेष्ठ संकल्प का स्वरूप स्मृति में आना चाहिए। क्योंकि नॉलेजफुल तो हो ही जाते हो। सभी के गुण, कर्त्तव्य, संस्कार, सेवा, स्वभाव परिवर्तन के शुभ संस्कार वा स्थान सदा भरपूर होगा तो अशुद्ध को स्वत: ही समाप्त कर देगा।--03-03-1988

Achanak Aur Eveready

ओम् शान्ति
पाप हो या पुण्य... सबका बीज
संकल्प ही है। इसलिये जीवन में
जो चाहिये वही संकल्प करो...
संकल्प शक्ति

अव्यक्त शिक्षाएँ

अगर बहुतकाल के योद्धेपन के ही संस्कार रहे अर्थात् युद्ध करते-करते समय बिताया, आज जीत कल हार। अभी- अभी जीत अभी-अभी हार। सदा के विजयीपन के संस्कार नहीं तो इसको क्षत्रिय कहा जायेगा या ब्राह्मण? ब्राह्मण सो देवता बनते हैं। क्षत्रिय तो फिर क्षत्रिय ही जाकर बनेगा। देवता की निशानी और क्षत्रिय की निशानी में देखो अन्तर है? यादगार चित्रों में उनको कमान दिखाया है, उनको मुरली दिखाई है। मुरली वाले अर्थात् मास्टर मुरलीधर बन विकारों रूपी सांप को विषैले बनने के बजाए विष समाप्त कर, शैया बना दी। कहाँ विष वाला सांप और कहाँ शैया! इतना परिवर्तन किससे किया? मुरली से। ऐसे परिवर्तन करने वाले को ही 'विजयी ब्राह्मण' कहा जाता है। तो अपने से पूछो- मैं कौन?

अ.बापदादा-27.04.83

थकावट से बाहर आने की विधि

बापदादा 27.02.1996

थको नहीं। जिस समय थकावट फील हो ना तो कहाँ भी जाकर डांस शुरू कर दो। चाहे बाथरूम में। क्या है इससे मूड चेंज हो जायेगी। चाहे मन की खुशी में नाचो, अगर वह नहीं कर सकते हो तो स्थूल में गीत बजाओ और नाचो। फारेन में डांस तो सबको आता है। डांस करने में तो होशियार हैं। फरिश्ता डांस तो आता है। अच्छा।

You need nothing more when you are delighted by your own peaceful presence. This is the essence of meditation.

BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org